अश्विन बोले ऋषभ को अपनी शैली में सुधार की जरुरत

चेन्नई

भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व स्पिनर आर अश्विन ने आक्रामक विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत पर निशाना साधा है। अश्विन ने कहा है कि अति आक्रामकता दिखाने की जगह पर इस बल्लेबाज को मैच के हालातों के अनुसार खेलना चाहिये।

उन्होंने कहा कि इस विकेटकीपर बल्लेबाज ने भले ही श्रीलंका के खिलाफ सीरीज में अच्छी बल्लेबाजी की है पर अभी भी उन्हें अपनी शैली में अधिक सुधार की जरुरत है। अश्विन ने ऋषभ के फैसलों पर भी सवाल उठाते हुए कहा कि उन्हें केवल एक आक्रामक खिलाड़ी के तौर पर अपनी पहचान बनाने की जगह पर देखना चाहिये कि खेल की वास्तविक जरुरतें क्या हैं।

अश्विन ने कहा कि उनका अभी का प्रदर्शन उस स्तर का नहीं है जैसा कि किसी स्थापित खिलाड़ी का होना चाहिये। श्रीलंका दौरे पर दो टेस्ट मैचों में कुल 168 रन और दो अर्धशतक बनाने के बाद भी उनके शाट चयन पर कई सवाल उठे हैं। अश्विन ने कहा, उनसे मेरी उम्मीदें अभी तक पूरी नहीं हुई हैं।

अश्विन ने का कि उनकी शैली आक्रमक है पर उन्हें अपने अनुसार खेलने नहीं दिया जा सकता। साथ ही कहा कि टेस्ट क्रिकेट में मैच की स्थिति को बेहतर ढंग से समझना सबसे जरुरी है। विशेष रुप से तब जब दांव पर बहुत कुछ लगा हो।

उन्होंने सिडनी और ब्रिस्बेन में इस बल्लेबाज की यादगार पारियों का उदाहरण देते हुए कहा कि उन मैचों को वाशिंगटन सुंदर और शार्दुल ठाकुर जैसे खिलाड़ियों के योगदान के बिना नहीं जीता जा सकता था। अश्विन ने आगाह किया, टेस्ट मैच बनाने और खेल के आखिरी सत्र में उसे जीतने के लिए 11 क्रिकेटरों की जरूरत होती है, लेकिन टेस्ट मैच हारने के लिए सिर्फ एक पल की बेवकूफी ही काफी होती है।

अश्विन का मुख्य तर्क यह है कि इस बल्लेबाज की प्रतिभा पर किसी को कोई संदेह नहीं है, लेकिन वे उसका इस्तेमाल कैसे करते हैं, यही उनकी लगातार निर्णायक भूमिका तय करेगा। उन्होंने इस तर्क को भी खारिज कर दिया कि उनके आक्रामक अंदाज की जांच-पड़ताल नहीं होनी चाहिए, सिर्फ इसलिए क्योंकि उन्होंने अतीत में कुछ यादगार पारियां खेली हैं।

श्रीलंका दौरे पर इस बल्लेबाज को कोलंबो में लाहिरू कुमारा की गेंद से कलाई पर चोट लगने के बाद मैदान छोड़ना पड़ा था, लेकिन दूसरे दिन क्रीज पर लौटते ही उन्होंने फिर आक्रामक खेल दिखाया। अश्विन का आग्रह है कि जब टीम को आक्रामक जोखिम के बजाय स्थिरता की जरूरत हो, तो उन्हें उसी अनुसार खेलना चाहिये।

न्यूज ब्रीफ

बायर्न म्यूनिख के साथ करार बढ़ाने की तैयारी में हैरी केन, क्लब के साथ शुरू हुई बातचीत

म्यूनिख। जर्मन फुटबाल क्लब बायर्न म्यूनिख के स्टार स्ट्राइकर हैरी केन ने पुष्टि की कि उन्होंने क्लब के साथ अपने अनुबंध को बढ़ाने को लेकर बातचीत शुरू कर दी है। केन का मौजूदा करार 2027 तक है। बुंडेसलीगा के मौजूदा चैंपियन बायर्न म्यूनिख लंबे समय से केन के साथ करार आगे बढ़ाने की इच्छा जाहिर करता रहा है। क्लब की स्टटगार्ट के खिलाफ 5-1 की जीत के बाद केन ने बताया कि नए अनुबंध को लेकर पहली बैठक पिछले सप्ताह हुई थी। केन ने एक बयान में कहा, मैं 33 साल का हूं। संभवतः यह मेरा आखिरी अनुबंध नहीं होगा, लेकिन मेरे लिए यह एक बड़ा अनुबंध होगा, जिस पर मुझे हस्ताक्षर करने हैं। उन्होंने कहा कि नए करार को लेकर अभी कई पहलुओं पर चर्चा की जानी बाकी है, लेकिन वह बायर्न के साथ अपना जुड़ाव जारी रखना चाहते हैं। केन 2023 में टोटेनहम हाटस्पर से बायर्न म्यूनिख पहुंचे थे। उन्होंने कहा, दोनों पक्षों को यह सुनिश्चित करना होगा कि वे खुश हों। फिलहाल किसी भी पक्ष की ओर से कोई जल्दबाजी नहीं है। मुझे पूरा विश्वास है कि हम ऐसी स्थिति तक पहुंचेंगे, जहां दोनों पक्ष खुश होंगे। 33 वर्षीय केन इस समय बैलन डीओर के दावेदारों में शामिल हैं। उन्होंने पिछले सत्र में बायर्न के लिए 31 बुंडेसलीगा मैचों में 36 गोल किए थे। यह जर्मन शीर्ष लीग के एक सत्र में किसी खिलाड़ी द्वारा किए गए तीसरे सबसे ज्यादा गोल थे। केन ने पिछले सत्र में बायर्न के साथ लीग और कप का खिताब भी जीता।

सीपीएल से जुड़ीं शिखा पांडे, यास्तिका भाटिया समेत चार भारतीय महिला क्रिकेटर

नई दिल्ली। चार भारतीय महिला क्रिकेटरों शिखा पांडे, यास्तिका भाटिया, पूजा वस्त्राकर और किरण नवगिरे ने आगामी कैरेबियन प्रीमियर लीग के लिए अनुबंध साइन किए हैं। टूर्नामेंट का आगामी सत्र 6 सितंबर से शुरू होगा। अनुभवी तेज गेंदबाज शिखा पांडे और विकेटकीपर बल्लेबाज यास्तिका भाटिया ट्रिनबागो नाइट राइडर्स की ओर से खेलेंगी। 25 वर्षीय यास्तिका पहली बार कैरेबियन प्रीमियर लीग में हिस्सा लेंगी, जबकि शिखा का यह टूर्नामेंट में तीसरा सत्र होगा। तेज गेंदबाजी आलराउंडर पूजा वस्त्राकर और आक्रामक बल्लेबाज किरण नवगिरे मौजूदा चैंपियन बारबाडोस ट्राइडेंट्स की ओर से मैदान पर उतरेंगी। दोनों खिलाड़ी पहली बार कैरेबियन प्रीमियर लीग में खेलेंगी। पूजा ने 2025 में लंबे समय तक चोट के कारण प्रतिस्पर्धी क्रिकेट से दूर रहने के बाद वापसी की थी। उन्होंने महिला प्रीमियर लीग में रायल चैलेंजर्स बेंगलुरु का प्रतिनिधित्व किया और इसके बाद मध्य प्रदेश टी20 लीग में चंबल घड़ियाल्स की ओर से खेलीं।

टेस्ट और एकदिवसीय प्रारुप को बचाने सभी बोर्ड मिलकर प्रयास करें : चमिंडा वास

कोलंबो। पूर्व श्रीलंकाई तेज गेंदबाज चमिंडा वास ने क्रिकेट खेलने वाले सभी सदस्य देशों से टेस्ट और एकदिवसीय प्रारुप को बचाने की अपील की है। वास के अनुसर फ्रैचाइजी क्रिकेट के इस दौर में टेस्ट और एकदिवसीय का अस्तित्व खतरे में पड़ गया है। वास ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) और सभी राष्ट्रीय बोर्डों से टेस्ट तथा एक दिवसीय प्रारूपों के भविष्य को बचाने के लिए तत्काल कदम उठाने को कहा है। इससे पहले आईसीसी के सीईओ संजोग गुप्ता ने भी कहा था कि प्रतिस्पर्धा की कमी वाली द्विपक्षीय श्रृंखलाओं का दौर अब समाप्त होना तय है। उसी के बाद से ही एकदिवसीय क्रिकेट के भविष्य को लेकर चिंताएं बढ़ गयी हैं। वास ने माना है कि अब टी20 ही खेल का भविष्य है और अधिकतर देश इसे प्राथमिकता भ्री देना चाहेंगे पर इसके बाद भी सभी बोर्डों को यह समझना चाहिए कि टेस्ट और एकदिवसीय ही क्रिकेट के आधार हैं और इसी में किसी खिलाड़ी की असली परीक्षा होती है। उन्होंने जोर दिया कि इन दोनों प्रारूपों को जीवित रखने के लिए ठोस कदम उठाना जरुरी है। इस अनुभवी गेंदबाज ने सभी क्रिकेट बोर्डों से इन पारंपरिक प्रारूपों को बचाये रखने करने के लिए मिलकर प्रयास करने को कहा है। वास के अनुसार, हमें 50 ओवर की क्रिकेट को जीवित रखने के लिए किसी न किसी तरह की व्यवस्था करनी होगी।

एशियाई खेलों में पदक का रंग बदलना चाहती हैं आशी चौकसे, बोलीं - हम अजेय होंगे

भोपाल

वर्ष 2018 में निशानेबाजी की दुनिया में कदम रखने वाली भारतीय राइफल निशानेबाज आशी चौकसे अब अपने दूसरे एशियाई खेलों के लिए तैयार हैं। 24 वर्षीय आशी ने पिछले एशियाई खेलों में तीन पदक जीते थे और अब जापान के आइची-नागोया में होने वाले एशियाई खेलों में अपने पिछले प्रदर्शन को स्वर्ण पदक में बदलने के लक्ष्य के साथ उतरेंगी।

आशी ने 2022 एशियाई खेलों में, जो 2023 में आयोजित हुए थे, महिलाओं की 10 मीटर एयर राइफल टीम और महिलाओं की 50 मीटर राइफल थ्री पोजीशन टीम स्पर्धा में रजत पदक जीते थे। इसके अलावा उन्होंने महिलाओं की 50 मीटर राइफल थ्री पोजीशन व्यक्तिगत स्पर्धा में कांस्य पदक अपने नाम किया था।

पिछले एशियाई खेलों का अनुभव आशी के लिए आगामी प्रतियोगिता में काफी मददगार साबित होगा। उन्होंने कहा कि अब उन्हें इस स्तर की प्रतियोगिता में प्रदर्शन करने की बेहतर समझ और आत्मविश्वास है।

आशी ने एक बयान में कहा, एशियाई खेल ओलंपिक के बाद सबसे बड़े बहु-खेल आयोजनों में से एक हैं और मैं पहले भी वहां हिस्सा ले चुकी हूं। मैंने उस मंच पर प्रदर्शन किया है और मुझे पता है कि वहां क्या करना होता है। तीन पदक जीतने के बाद अब मेरे पास इस स्तर पर खेलने का अच्छा अनुभव है। इसलिए इस बार मैं जापान स्पष्ट सोच और लक्ष्य के साथ जा रही हूं।

एशियाई खेलों की तैयारी के लिए भारतीय निशानेबाजी दल ने भोपाल में कई कड़े प्रशिक्षण शिविर लगाए। इन शिविरों में मुकाबले और फाइनल के अभ्यास के साथ खिलाड़ियों की सहनशक्ति और स्थिरता पर भी विशेष ध्यान दिया गया।

आशी ने बताया, हमने तैयारी में काफी मेहनत की। शिविर में मुकाबलों और फाइनल का अभ्यास कराया गया। 10 दिन के शिविर में हमने तीन-चार मुकाबले और तीन-चार फाइनल खेले। 60 शाट का मुकाबला भी काफी गहन होता है। हमने 120 शाट का मुकाबला भी खेला, जो किसी प्रतियोगिता का हिस्सा नहीं है, लेकिन इसका उद्देश्य लंबे समय तक हमारी सहनशक्ति और स्थिरता को परखना था।

भारतीय निशानेबाज खेल मनोवैज्ञानिकों के साथ भी काम कर रहे हैं और बायोफीडबैक तकनीक का इस्तेमाल कर रहे हैं। इसके जरिए खिलाड़ियों की सांस लेने की प्रक्रिया और निशाना लगाते समय शरीर की प्रतिक्रियाओं को समझने की कोशिश की जा रही है।

आशी ने कहा, मनोवैज्ञानिक तकनीक की मदद से निशाना लगाते समय हमारी सांस और शरीर की अन्य प्रक्रियाओं पर नजर रखते हैं। हमने इसे कई बार आजमाया है और यह काफी मददगार रहा है। इससे हमें खुद को बेहतर समझने में मदद मिली है। हमें सोने से पहले और सुबह उठने के बाद कुछ अभ्यास भी करने को कहा गया है।

उन्होंने कहा कि निशानेबाजी में छोटी-छोटी चीजें भी काफी मायने रखती हैं। हमें पता है कि क्या करना है और कैसे निशाना लगाना है, लेकिन कुछ छोटी चीजें नजरअंदाज हो जाती हैं। अगर हम उन्हें सही तरीके से और लगभग पूर्णता के साथ कर लें, तो मुझे लगता है कि हम अजेय होंगे।

पिछले एशियाई खेलों के दबाव का अनुभव कर चुकीं आशी इस बार ज्यादा आत्मविश्वास और संयम के साथ उतरना चाहती हैं। उनका लक्ष्य साफ है—पिछली बार मिले पदकों का रंग बदलकर स्वर्ण पदक हासिल करना।

उन्होंने कहा, मैं इसे स्वर्ण पदक में बदलने को लेकर उत्साहित और पूरी तरह समर्पित हूं। मैं यह बहुत, बहुत ज्यादा चाहती हूं।

आशी चीन की मजबूत निशानेबाजी टीम के खिलाफ मुकाबले को लेकर भी उत्साहित हैं। पिछले एशियाई खेलों में महिलाओं की 50 मीटर राइफल थ्री पोजीशन स्पर्धा में भारत की सिफ्ट कौर समरा ने स्वर्ण और आशी ने कांस्य पदक जीता था, जबकि चीन की निशानेबाज को रजत पदक मिला था।

आशी ने मुस्कुराते हुए कहा, मैं चीन की निशानेबाजी टीम के खिलाफ मुकाबले को लेकर काफी उत्साहित हूं। वे बहुत मजबूत टीम हैं। 2023 में हमने स्वर्ण और कांस्य जीता था और उन्हें अपने ही घर में रजत मिला था। हो सकता है कि वे अभी भी इसे याद कर रहे हों और बदला लेना चाह रहे हों। वे मजबूत टीम हैं, लेकिन मैं उनके खिलाफ मुकाबले को लेकर वास्तव में उत्साहित हूं।

स्कूल के एक शिविर में संयोग से पहली बार राइफल हाथ में लेने से लेकर अंतरराष्ट्रीय स्तर की निशानेबाज बनने तक आशी चौकसे का सफर तेजी से आगे बढ़ा है। उन्होंने पहली बार एनसीसी शिविर में निशानेबाजी आजमाई थी और शुरुआती प्रदर्शन ने उन्हें इस खेल को करियर बनाने के लिए प्रेरित किया। इसके बाद उनका चयन राज्य निशानेबाजी अकादमी में हुआ।

अब अपने दूसरे एशियाई खेलों में आशी अनुभव, कड़ी तैयारी और आत्मविश्वास के साथ उतरेंगी। उनका एकमात्र लक्ष्य पिछले एशियाई खेलों के पदक को इस बार स्वर्ण पदक में बदलना है।

सोनल दिनुशा के मुरीद हुए पुजारा, आने वाले समय में महान बल्लेबाज बनेंगे

मुंबई

भारतीय टीम के पूर्व क्रिकेटर चेतेश्वर पुजारा ने श्रीलंकाई टीम के युवा बल्लेबाज सोनल दिनुशा की जमकर प्रशंसा की है। पुजारा ने कहा है कि जिस प्रकार से सोनल खेलते है उसको देखकर लगता है कि आने वाले समय में वह महान बल्लेबाज बनकर उभरेंगे। साथ ही कहा कि दूसरे टेस्ट में उनकी बल्लेबाजी देखकर दिग्गज बल्लेबाजों कुमार संगकारा और महेला जयवर्धने की याद आ गयी।

दिनुशा ने कोलंबो में खेले गए सीरीज के दूसरे टेस्ट मैच की दोने ही पारियों में दबाव के बीच शतक लगाकर अपनी टीम को करारी हार से बचाया था। अंतिम दिन टीम के फालोआन खेलते समय जिस प्रकार से उन्होंने पूरे दिन बल्लेबाजी की उससे उनकी प्रतिभा का और कौशल का अंदाजा होता है। इस सीरीज में दिनुशा ने चार पारियों में 140.00 की प्रभावशाली औसत से कुल 420 रन बनाए, जिसमें तीन शानदार शतक और एक अर्धशतक शामिल था। मध्यक्रम में बल्लेबाजी करते हुए, उन्होंने 722 गेंदों का सामना किया, जो किसी भी बल्लेबाज द्वारा एक सीरीज में खेली गई सबसे ज्यादा गेंदें हैं, जो उनकी धैर्यवान और दृढ़ बल्लेबाजी ताकत को दिखाती है।

पुजारा ने इस बल्लेबाज को लेकर कहा, पूरी सीरीज में उन्होंने जिस तरह से बल्लेबाजी की है, वह शानदार रही है। इससे मुझे कुमार संगकारा और महेला जयवर्धने जैसे बल्लेबाजों के दौर की याद आ गयीहैं। जब मैं बड़ा हो रहा था, तो मैं उन श्रीलंकाई खिलाड़ियों को अपना आदर्श मानता था। मुझे पूरा यकीन है कि अगले 5 साल में सोनल श्रीलंकाई क्रिकेट के महान खिलाड़ियों में से एक बन सकते हैं। उन्होंने वह क्षमता दिखाई है।

दिनुशा के अब तक के करियर पर नजर डालें तो, उन्होंने पांच टेस्ट मैचों की नौ पारियों में 86.57 की प्रभावशाली औसत से 606 रन बनाए हैं, जिसमें तीन शतक और दो अर्धशतक शामिल हैं। उनका सर्वश्रेष्ठ टेस्ट स्कोर नाबाद 133 रन रहा है। वहीं, फर्स्ट-क्लास क्रिकेट में भी उनका रिकार्ड शानदार है; 70 मैचों में उन्होंने 48.44 की औसत से 4,118 रन बनाए हैं, जिसमें 14 शतक और 20 अर्धशतक शामिल हैं, और उनका सर्वोच्च स्कोर 145 है।

भारत के योहान बेंजामिन पुर्तगाली क्लब गुआर्डा एफसी से खेलते दिखेंगे

मुंबई। भारतीय फुटबालर योहान बेंजामिन के साथ पुर्तगाली क्लब गुआर्डा एफसी ने दो साल का करार किया है। इस करार से मिडफील्डर योहान को यूरोपीय फुटबाल में आगे बढ़ने का एक बड़ा अवसर मिलेगा। 21 साल योहान अपने करियर में फुटबाल एकेडमी आफ बैंगलोर और मिनर्वा फुटबाल एकेडमी से जुड़े रहे हैं। इसके बाद वह शिलांग लाजोंग से खेलने लगे। यहां अपने तीन साल के कार्यकाल के दौरान ही योहान को क्लब की सीनियर और रिजर्व टीमों के साथ खेलने का अवसर मिला। उन्होंने 2024 शिलांग प्रीमियर लीग में 9 गोल कर अपनी टीम को खिताब जिताया था। साल 2023-24 एआईएफएफ यूथ लीग से वह सबसे नजरों में आये। इमसें उन्होंने 13 मैचों में 9 गोल किये जिससे उन्हें भारतीय अंडर-19 टीम में जगह मिली। इसके बाद, उन्होंने 2025 सैफ अंडर-19 चैंपियनशिप में भारत की ओर से भाग लिया। वह अगस्त 2025 में स्लोवेनिया के एनएके ब्रावो क्लब की अंडर 19 टीम में शामिल हो गए।

5 सितंबर को डायमंड लीग फाइनल में नीरज पर रहेंगी नजरें , पथिरागे से मिलेगी टक्कर

ब्रसेल्स

भारत के ओलंपिक पदक विजेता भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा अब अगले माह पांच सितंबर को यहां होने वाले डायमंड लीग फाइनल में जीत दर्ज करने उतरेंगे। ऐसे में इस मुकाबले पर उनके प्रशंसकों की नजरें रहेंगी। नीरज ने फाइनल के लिए क्वालीफाई किया है। उन्होंने इस सीरीज की केवल दो प्रतियोगिताओं में ही भाग लेने के बाद भी 12 अंक हासिल कर अंक तालिका में छठा स्थान हासिल करते हुए शीर्ष छह में जगह बना ली है। अब फाइनल में उन्हें श्रीलंका के शीर्ष खिलाड़ी रुमेश पथिरागे से कड़ी टक्कर मिलना तय है। पथिरागे क्वालीफायर मुकाबले में सबसे अधिक अंक लेकर शीर्ष पर रहे थे।

नीरज की बात करें तो चोट से उबकर क्वालीफाई करना उनके लिए वापसी की तरह है। पिछले साल सितंबर से कमर के निचले हिस्से में लगी चोट के कारण वह लंबे समय तक खेल से दूर थे।

इसके बाद दोहा डायमंड लीग में उनकी वापसी हुई, जहां उन्होंने दूसरा स्थान हासिल किया। हाल ही में हुए ग्लास्गो राष्ट्रमंडल खेलों में वह पूरी तरह फिट नहीं थे, फिर भी 85.83 मीटर के सत्र के सर्वश्रेष्ठ थ्रो के साथ उन्होंने रजत पदक जीता था। इसके बाद लुसाने डायमंड लीग में उन्होंने अपने प्रदर्शन में सुधार करते हुए 88.05 मीटर का अच्छा थ्रो किया। गौरतलब है कि डायमंड लीग फाइनल चार और पांच सितंबर को ब्रसेल्स में होगा। इसमें पुरुषों की भाला फेंक स्पर्धा पांच सितंबर को होगी, जिसमें कूद और थ्रो स्पर्धाओं के शीर्ष छह खिलाड़ी भाग लेंगे। इस फाइनल में सभी की नजरें नीरज के अलावा श्रीलंका के रुमेश पथिरागे पर होंगी, जो 39 अंक के साथ अंक तालिका में शीर्ष पर हैं। इस श्रीलंकाई को डायमंड लीग ट्राफी का प्रबल दावेदार माना जा रहा है। उन्होंने इस साल हुई पांचों भाला फेंक स्पर्धाओं में हिस्सा लिया, जिनमें से वह चार में वे विजेता रहे और एक में दूसरे स्थान पर रहे। ज्यूरिख में उन्होंने 92.07 मीटर का शानदार थ्रो करके पहला स्थान हासिल किया। ये इस सत्र में उनका दूसरा 90 मीटर से ज्यादा का थ्रो था।

वहीं नीरज और पथिरागे के अलावा दो बार के विश्व चैंपियन ग्रेनाडा के एंडरसन पीटर्स 35 अंकों के साथ दूसरे स्थान पर हैं, जिन्होंने ज्यूरिख में 86.93 मीटर का थ्रो किया। वह भी एक प्रबल दावेदार रहेंगे। वहीं मौजूदा विश्व चैंपियन त्रिनिदाद एवं टोबैगो के केशोर्ण वालकाट 23 अंकों के साथ तीसरे स्थान पर। डायमंड लीग के अलावा, नीरज चोपड़ा पहली बार होने वाली विश्व एथलेटिक्स अल्टीमेट चैंपियनशिप के लिए भी क्वालीफाई करने की राह पर हैं, जो 11 से 13 सितंबर तक बुडापेस्ट में आयोजित होगी। इस प्रतियोगिता में पुरुषों की भाला फेंक स्पर्धा में 8 खिलाड़ी हिस्सा लेंगे और नीरज वर्तमान में सातवें स्थान पर हैं।

एएचएफ महिला जूनियर एशिया कप के लिए चीन रवाना हुई भारतीय जूनियर हाकी टीम

नई दिल्ली

भारतीय जूनियर महिला हाकी टीम को एएचएफ महिला जूनियर एशिया कप 2026 में हिस्सा लेने के लिए चीन के मोकी रवाना हो गई। प्रतियोगिता का आयोजन 4 से 13 सितंबर तक होगा। 18 सदस्यीय भारतीय टीम की कमान मिडफील्डर खैदेम शिलैमा चानू संभालेंगी।

नवनियुक्त मुख्य कोच टिम व्हाइट के मार्गदर्शन में भारतीय टीम ने टूर्नामेंट के लिए लंबे समय तक तैयारी की है। टीम ने इस साल गर्मियों में ब्रिटेन का महत्वपूर्ण दौरा भी किया, जहां उसे शीर्ष स्तर कीओ टीमों के खिलाफ खेलने का अनुभव मिला।

5 से 14 जुलाई तक एडिनबर्ग और लिलेशल में हुए ब्रिटेन दौरे के दौरान भारत ने स्काटलैंड की सीनियर महिला टीम के अलावा अमेरिका, इंग्लैंड और बेल्जियम की जूनियर टीमों के खिलाफ कुल सात मुकाबले खेले। भारत ने अमेरिका को 6-0 से हराया, जबकि इंग्लैंड के खिलाफ लगातार दो

मुकाबलों में 2-0 की जीत दर्ज की। अमेरिका के खिलाफ एक अन्य मुकाबला 1-1 से बराबर रहने के बाद भारत ने पेनल्टी शूटआउट में 3-2 से जीत हासिल की।

इस दौरे से भारतीय टीम को स्काटलैंड की अनुभवी सीनियर टीम और बेल्जियम की मजबूत अंडर-21 टीम के खिलाफ खेलने का भी अहम अनुभव मिला।

रवाना होने से पहले मुख्य कोच टिम व्हाइट ने कहा, टीम एशिया कप के लिए चीन जाने को लेकर काफी उत्साहित है। हमारी तैयारी अच्छी रही है। हमने बेंगलुरु में आई इंडिया टीम के खिलाफ भी चार महत्वपूर्ण मुकाबले खेले। हमें भरोसा है कि हमने ऐसी रणनीति तैयार की है, जिसके खिलाफ खेलना विपक्षी टीमों के लिए मुश्किल होगा। अब हम एशिया की सर्वश्रेष्ठ टीमों के खिलाफ इसे आजमाने के लिए उत्साहित हैं।

भारत को महिला वर्ग के एलीट पूल में मेजबान चीन, जापान, कोरिया और मलेशिया के साथ रखा गया है। भारतीय टीम अपने अभियान की शुरुआत 5 सितंबर को कोरिया के खिलाफ करेगी। इसके बाद 6 सितंबर को मलेशिया, 8 सितंबर को जापान और 9 सितंबर को मेजबान चीन से मुकाबला होगा।

भारत के एलीट पूल के मुकाबले :

- 5 सितंबर: भारत बनाम कोरिया — दोपहर 1 बजे
- 6 सितंबर: भारत बनाम मलेशिया — सुबह 9 बजे
- 8 सितंबर: जापान बनाम भारत — सुबह 11 बजे
- 9 सितंबर: चीन बनाम भारत — शाम 7 बजे

एलीट पूल में शीर्ष स्थान के लिए मुकाबलों के बाद प्रतियोगिता नाकआउट चरण में प्रवेश करेगी। टूर्नामेंट का स्वर्ण पदक मुकाबला 13 सितंबर को खेला जाएगा।

एएचएफ महिला जूनियर एशिया कप एशिया की शीर्ष जूनियर हाकी टीमों के लिए महत्वपूर्ण मंच है, जहां युवा खिलाड़ियों को महाद्वीप की मजबूत टीमों के खिलाफ अपनी क्षमता साबित करने का मौका मिलता है।